धन्ना जाट भगत होया | By Suren Namdev

धन्ना जाट भगत होया जी मन भक्ति में लाया
ना तेरे ते पहले करना भोजन पंडत जी ने बताया

रोटी ले रया गेल अचार न इब लग बन खाई से
भूखे की मेरी डींग ना पाडे क्यों देरी लगाईं से
तेरी निगाह तो सब पे रहती से क्यूँ मैंने देख ना पाया जी मन भक्ति में लाया
धन्ना जाट भगत होया जी मन भक्ति में लाया

बालकपण में ठाई न पर बिपदा या भी ठया लूंगा
भक्ति में भगवान् बसे तन्ने भी मैं पा लूंगा
तू मुरली मधुर बजावे से मन्ने न्यू सुनने में आया जी मन भक्ति में लाया
धन्ना जाट भगत होया जी मन भक्ति में लाया

घर भी मन्ने जाना से यो होता आवे अँधेरा
ना तेरे ते पेल्या खाऊंगा चाहे दम निकल जा मेरा
ना शर्मा जी ने ज्ञान काये का बस तेरे ते ही पाया जी मन भक्ति में लाया
धन्ना जाट भगत होया जी मन भक्ति में लाया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a7%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%9f-%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%a4-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%af%e0%a4%be-by-suren-namdev/